No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01840

जून, 2015

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के वैचारिक आधारों की चर्चा कीजिए । *10*

2. दलित पैंथर आंदोलन का मराठी दलित साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । *10*

3. 'हरिजन गाथा' के आधार पर हिन्दी कवि नागार्जुन की दलित संवेदना पर प्रकाश डालिए । *10*

4. दलित साहित्य की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

5. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के विचारों का दलित साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । *10*

6. पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर के सामाजिक आंदोलन की समीक्षा कीजिए । *10*

7. श्री नारायण गुरु के समाज सुधार-सम्बन्धी प्रयासों का परिचय दीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) ज्योतिबा फुले का सामाजिक चिंतन

   (ख) प्रेमचंद और दलित चेतना

   (ग) हिंदू कोड बिल

   (घ) अछूतानंद

9. "दलित साहित्य में आत्मकथाएँ अपना विशिष्ट स्थान रखती हैं ।" इस कथन पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए । *10*

10. हिन्दी दलित साहित्य के वर्तमान परिदृश्य का मूल्यांकन कीजिए । *10*